International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Volume 01, No. 03, July - September, 2019, pp.139-140

डिजिटल अर्थव्यवस्था और साइबर सुरक्षा

धन्ना राम जानू*

प्रस्तावना

भारत म डिजिटल भुगतानां म अत्यधिक वृद्धि तथा कम नगदी वाली अथव्यवस्था की दिशा म अग्रसर होने से देश को वितीय साइबर सुरक्षा संरचना को मजबूत बनाने की आवश्यकता है| विश्व के अधिकांश देश डिजिटल अथव्यवस्था की तरफ बढ़ रहे है|यदि समस्याए व असुरक्षा का भय है तो कुशल तकनीक का प्रयोग कर लोगों म जागरूकता व सतकता फैला कर इसे सफल बनाया जा सकता है| वितीय क्षेत्र म विभिन्न बाजार भागीदार एक-दूसरे पर निभर होते ह| साइबर हमलों से सुरक्षा तंत्र मजबूत करने के लिए प्रभावी सरकारी-निजी साझेदारी और सहयोगपूण काय की आवश्यकता है|

आज ज्ञान आधारित अथव्यवस्था के दौर म भारत को डिजिटल दृष्टि से मजबूत बनाने के लिए डिजिटल इंडिया सरकार का एक महत्वपूण योजना है| देश को नगदी रहित लेन-देन की ओर आगे बढ़ाने के लिए केशलेस भुगतान के कई तरीके उपलब्ध है, जैसे:- कार्ड्स(डेबिट, क्रेडिट, प्रीपेड) ई-वालेट, पी.ओ.एस.(पॉइंट आफ सेल) आदि| आज अथव्यवस्था का डिजिटलीकरणतीव्र गति से हो रहा है| वतमान म कम्प्यूटर और सस्ते इन्टरनेट का उपयोग इतना अधिक बढ़ गया है कि उच्च तकनीकी, वायरलेस नेटवक, मोबाईल एप्स आदि हमारे दैनिक कार्यों का अभिन्न अंग बनते जा रहे है|

देश म केशलेस भुगतान म निरंतर वर्द्धि के कारण हमारे देश की वितीय लेन-देन से सम्बंधित साइबर सुरक्षा और इसकी तैयारी को ओर अधिक मजबूत बनाने की जरुरत है|

भारत म वितीय बाजार और बक क्षेत्र म साइबर हमलो के निम्नलिखित मुख्य प्रकार है:-

- **एटीएम और पीओएस मशीन धोखाधड़ी:** एस अपराध म एटीएम एवं पी.ओ.एस. मशीन की सुरक्षा म धोखाधड़ी करने के लिए मशीन की-पेड़ के ऊपर एक और बनावटी की-पेड(उपकरण) लगाया जाता है जो वास्तविक की-पेड जैसा लगता है जब हम एटीएम का उपयोग करते है तो हमारे एटीएम काड के नंबर और हमारा पासवड चोरी कर लिया जाता है जो बाद म गलत इस्तेमाल के लिए काम म लिया जाता है और उपभोक्ता धोखे का शिकार हो जाता है|
- **फिशींग से सम्बंधित घोटाले:** इसके अंतगत हमारे पास फर्जी व्यक्तियों के फोन आते है या हमारी ई-मेल व मैसेज बॉक्स म मैसेज आते है जो दिखने म वास्तविक से लगते है और कई बार हम अपनी निजी जानकारी जैसे निजी पहचान संख्या, मोबाईल पर आया ओ.टी.पी. बक खाते से सम्बंधित जानकारी बता देते है| इसमे हमारी वितीय लेन-देन से सम्बंधित निजी जानकारी धोखे से प्राप्त कर ली जाती है जिसका हम पता भी नही चलता है| जिसका परिणाम यह होता है कि हम भविष्य म धोखाधड़ी का शिकार हो जाते है|
- **इन्टरनेट बैंकिंग का दुरूपयोग:** इसम इन्टरनेट बैंकिंग का गलत फायदा उठाने के लिए हमारे बैंकिंग एप्स की जानकारी को छल से चोरी कर ली जाती है जिसका वाद म दुरूपयोग होता है और हमारे खाते से धनराशी निकाल ली जाती है|

* Assistant Professor, Department of EAFM, S.D. Government College, Beawar, Rajasthan, India.

- **वितीय संस्थाओ और बैंकिंग सिस्टम नेटवर्क म सधमारी:-** इसमे साइबर हमले करने वाले बंको और अन्य वितीय संस्थाओ के कम्प्यूटर सिस्टम को हैक कर लेते है, जिसके परिणामस्वरूप इनके कम्प्यूटस काम करना बंद कर देते है| ऐसे हैकस कई बार इन संस्थाओं से मोटा रकम भी वसूल लेते है|

केशलेस(डिजिटल) लेन-देन करते समय हम कुछ आवश्यक सावधानियां व सतकता बरतकर साइबर हमलों से बच सकते है जो निम्न प्रकार हो सकती है:-

- अगर हमारा एटीएम काड गुम हो गया है या चोरी हो गया है तो इसकी सूचना तुरंत सम्बंधित बैंक के कस्टमर केयर पर देकर काड को बंद करवा लेना चाहिए|
- अनेक बार हमारे पास हमारे बैंक खातों का जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से फर्जी फोन आते है, उन्ह हमारी निजी सूचनाएं कभी भी नही देनी चाहिए| हमारा बैंक कभी भी खातों का जानकारी नही मांगता है|
- हमारे मोबाईल फोन या कम्प्यूटर म कई बार कुछ गलत वायरस हमारी कायप्रणाली व ऑपरेटिंग सिस्टम पर नजर रखते है जो हमारी निजी सूचनाएं एकत्रित करते है| इनसे बचने के लिए हम कम्प्यूटर व मोबाईल सिस्टम को निरंतर अपडेट करते रहना चाहिए|
- कई बार शॉपिंग मॉल म काड से लेनदेन करते समय हमारे काड का जानकारी व्यापारियों के कैमरों म आ जाती है जिसका भविष्य म दुरूपयोग हो सकता है| अतः हम काड से लेनदेन करते समय अपने काड का सावधानी से प्रयोग करना चाहिए|
- हम कई बार अपने सिस्टम को काम म लेते समय लॉग इन करके भूल जाते है, जो गलत है| काय पूण होने के बाद लोगआउट कर देना चाहिए|
- साइबर हमले होने की स्थिति म इनकी जानकारी तुरंत साइबर क्राइम शाखा और अपने वितीय संस्था को जरूर द|

सुरक्षित ऑनलाइन लेनदेन और साइबर सुरक्षा के लिए सरकार एवं बैको ने कई सुरक्षात्मक पहल की है| भारतीय रिजर्व बैक ग्राहकों और बैको को सुरक्षित लेनदेन के लिए समय-समय पर दिशा निदश जारी करता है| साइबर हमलों से बचने के लिए क्या करना है और क्या नहीं करना है कि सूचनाएं बैंकों व आम जनता को उपलब्ध करवाता है| भारत सरकार ने भी सूचनाओं पर नजर रखने एवं साइबर हमलों से सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर साइबर सुरक्षा नीति जारी की है|

सार रूप म यह कहा जा सकता है कि डिजिटल लेनदेन आसान व सुविधापूण तो है, लेकिन इसके उपयोग म हम सावधानी रखनी होगी| आज दुनिया की अधिकतर अथव्यवस्थाएँ डिजिटल लेनदेन का उपयोग कर रही ह ऐसे म हम भी केशलेस लेनदेन का अधिकाधिक उपयोग करना चाहिए| साइबर हमलों से बचने के लिए कुशल तकनीक का प्रयोग करना चाहिए साथ ही जनता को साइबर सुरक्षा से सबंधित जानकारी बढ़ानी होगी|

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- Aparna Viswanathan, Cyber Law Indian & International Perspectives, 189-195, 199, 205, 208, 213, 221 (2012)
- Nandan Kamath, A guide to cyberlaws 301 and 303-305 (2000).
- S.K. Sharma, privacy law: A comparative study (1994).
- Suresh T. Vishwanathan, The Indian Cyber Law, 136, 136-138,145 and 147- 148 (2000).

❖◆❖